

न्यायालय जिला कलक्टर, डूंगरपुर (राज.)
(पीठासीन अधिकारी राजेन्द्र भट्ट आई.ए.एस)

प्रकरण सं० 07/2016

दायर दिनांक:-28.10.2016

फैसल दिनांक:-29.11.2017

श्री सरकार जरिये प्रवर्तन अधिकारी, जिला रसद कार्यालय डूंगरपुर

प्रार्थी....

बनाम

श्री जीवतराम पिता रणछोड बरहात निवासी बरोठी, तहसील बिछीवाडा, जिला डूंगरपुर
अप्रार्थी....

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 6 ए
आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत

उपस्थित-1. प्रवर्तन निरीक्षक, राजकीय पैरोकार

— निर्णय —

यह प्रार्थना-पत्र प्रवर्तन अधिकारी जिला रसद अधिकारी कार्यालय डूंगरपुर ने विरुद्ध विपक्षी के इस आशय का प्रस्तुत किया है कि उदयपुर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित ग्राम पंचायत बरोठी एवं लेहणा घाटी पंचायत आसीयावाव बिछीवाडा में पेट्रोलियम पदार्थ का विपक्षी द्वारा भण्डारण किये जाने से विपक्षी के कब्जे से 10 ड्रमों में कुल 2000 लीटर डीजल, जरिकेन, कीप, मापक, प्लास्टिक पाईप व गेज आदि जप्त सरकार कर आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 6 ए के तहत डिजल आदि के निस्तारण (राजसात) करने हेतु प्रस्तुत किया है।

प्रकरण का संक्षिप्त सारांश इस प्रकार है कि जिला पुलिस अधीक्षक डूंगरपुर द्वारा उदयपुर, अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर पेट्रोलियम पदार्थ का कतिपय व्यक्तियों द्वारा अवैध भण्डारण की सूचना पर पुलिस थाना बिछीवाडा को इन स्थल पर अचानक दबिश देकर अवैध गोदामों को सील कर जाप्ता तैनात करने के निर्देश दिये गये। थानाधिकारी बिछीवाडा द्वारा सूचना किये जाने पर श्री मनीष भटनागर प्रवर्तन अधिकारी एवं कार्यवाहक जिला रसद अधिकारी डूंगरपुर द्वारा जिला कलक्टर महोदय से निर्देश प्राप्त कर ग्राम पंचायत बरोठी स्थित मुकाम पर पुलिस जाप्ता की मौजूदगी में जांच हेतु गये। मौके पर पुलिस जाप्ता द्वारा श्री हकरा पिता खातरा के मालिकाना हक वाले अवैध भण्डारण स्थल को खोला जाकर, प्रार्थी व अन्य गवाहानों के समक्ष निरीक्षण किया गया। मौका जांच के वक्त श्री जीवतराम पिता रणछोड बरहात विपक्षी ने उपस्थित मौतबिरान व जांच दल को बताया कि उक्त भण्डारण स्थल पर उनके द्वारा पेट्रोलियम पदार्थ डिजल के क्रय-विक्रय हेतु भण्डारण का उपयोग लिया जा रहा है। मौका जांच में गवाहन, मौतबिरान व भण्डारण स्थल का भौतिक सत्यापन करने पर पेट्रोलियम पदार्थ डिजल के 10 ड्रमों में 2000 लीटर डीजल पाया गया तथा 9 जरिकेन 20 लीटर क्षमता

2
जिला कलक्टर
डूंगरपुर

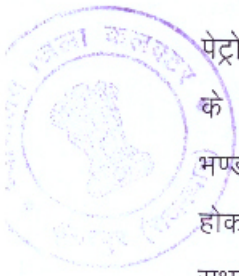


के खाली, कीप, मापक 2 (5 लीटर), प्लास्टिक पाईप व गेज पाये गये। मौके पर उपस्थित विपक्षी को उक्त भारी मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ डीजल के भण्डारण करने बाबत पूछने पर उनके पास कोई सक्षम अनुज्ञापन प्राप्त नहीं होना बताते हुए क्रय कर विक्रय हेतु भण्डारण करना बताया। उक्त अवैध भण्डारित पेट्रोलियम पदार्थ डीजल कुल 10 भरे हुए ड्रम 2000 लीटर, 9 प्लास्टिक के जरिकेन व मापक 2, कीप 3, प्लास्टिक के पाईप व गेज 1 को जप्त सरकार कर विपक्षी के कब्जे से प्राप्त कर पुलिस थाना बिछीवाड़ा को सुपूर्द किया गया। विपक्षी द्वारा पेट्रोलियम पदार्थ डिजल का अवैध कारोबार करने हेतु अनाधिकृत रूप से भण्डारित करना पाया गया। यह प्रार्थना-पत्र प्रवर्तन अधिकारी जिला रसद कार्यालय डूंगरपुर ने बिना किसी सुरक्षा उपायो के उक्त पेट्रोलियम पदार्थ डीजल का भण्डारण किये जाने से कभी भी दुर्घटना घटित होकर भारी जान-माल की क्षति संभावित थी। प्रार्थी का उक्त डीजल का अवैध भण्डारण किया जाना नियम विरुद्ध हैं। प्रार्थी का कृत्य मोटर स्पीड एवं हाई स्पीड डीजल (रेग्यूलेशन आफ सप्लाय, ड्रिस्ट्रीब्यूशन एण्ड प्रिवेन्शन आफ मेल प्रेक्टीस) आदेश 2005 के नियम 3 (4, 5) नियम 4 का स्पष्ट उल्लंघन होने से आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के खण्ड 3/7 के तहत दण्डनीय अपराध हैं। अतः उक्त स्थिति में जप्तशुदा 2000 लीटर (मय 10 ड्रम), 9 जरिकेन व 2 मापक, कीप 3, प्लास्टिक पाईप व 1 गेज को प्रार्थी द्वारा राजसात (निस्तारण) करने का अनुरोध किया गया।

अतः प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर विपक्षी को अपना पक्ष प्रस्तुत करने जरिये नोटिस तलब किया गया। विपक्षी बावजूद सूचना के उपस्थित नहीं होने से दिनांक 11.01.2017 को उनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही के आदेश दिये गये।

पत्रावली में विभागीय परोकार की एक पक्षीय बहस समायत की गई। विभागीय परोकार ने प्रार्थना-पत्र में अंकित तथ्यों को दोहराया।

विभागय परोकार ने विपक्षी के मालिकाना हक के स्थल पर भारी मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ डीजल का अवैध भण्डारण बिना किसी अनुज्ञा-पत्र एवं सक्षम स्वीकृति के किया जाना नियम विरुद्ध हैं। पेट्रोलियम पदार्थ डीजल की 200 लीटर अवैध भण्डारण से सुरक्षा के कोई उपाय नहीं किये गये, जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना कारित होकर जान-माल की क्षति होने की सम्भावना हो सकती हैं। प्रार्थी द्वारा बिना किसी सक्षम अनुज्ञा एवं स्वीकृति उक्त जप्तशुदा 2000 लीटर डीजल एवं तत्संबंधी सामग्री जरिकेन 9, मापक 2, कीप 3, प्लास्टिक पाईप व 1 गेज को मोटर स्पीड एवं हाई स्पीड डीजल (रेग्यूलेशन आफ सप्लाय, ड्रिस्ट्रीब्यूशन एण्ड प्रिवेन्शन आफ मेल प्रेक्टीस) आदेश 2005 के नियम 3 (4, 5) नियम 4 के विरुद्ध अवैध रूप से भण्डारण करने का कृत्य कारित किया जाने से आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 6 ए का स्पष्ट उल्लंघन किया जाने से राजसात करने का अनुरोध किया। विपक्षी ने मामले के बचाव में किसी प्रकार के साक्ष्य एवं सबूत प्रस्तुत नहीं किये हैं। विपक्षी अनुपस्थित होने से उक्त 2000 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ डिजल एवं तत्संबंधी सामग्री के भण्डारण हेतु किसी प्रकार के



2

जिला कलेक्टर
दूंगरपुर

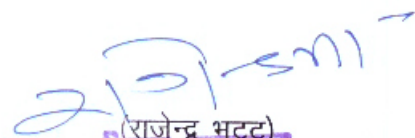
साक्ष्य एवं सबूत तथा बहस में बचाव पक्ष के तथ्य प्रस्तुत नहीं किये जाने से स्पष्ट है कि उनके द्वारा उक्त डिजल को क्रय-विक्रय करने हेतु अवैद्य भण्डारण किया गया है।

हमारे द्वारा पक्षकारों की बहस पर मनन किया गया एवं पत्रावली एवं उस पर उपलब्ध दस्तावेजों का अध्ययन किया गया। पत्रावली के अध्ययन पक्षकारों से स्पष्ट है कि विपक्षी द्वारा बिना किसी सक्षम अनुज्ञा एवं स्वीकृति के अत्यन्त ज्वलनशील पेट्रोलियम पदार्थ 2000 लीटर डिजल का अवैद्य भण्डारण किया जाना प्रमाणित है। उक्त पेट्रोलियम पदार्थ डिजल के अवैद्य रूप से बिना सुरक्षा व्यवस्था के भण्डारण किये जाने से दुर्घटना कारित होने की सम्भावना बनी रहती है, जिससे जान-माल की भारी क्षति होने की भी सम्भावना बनी रहती है। विपक्षी के अनुपस्थित रहने से मामले में प्रतिरक्षण के कोई साक्ष्य एवं सबूत प्रस्तुत नहीं किये जाने से स्पष्ट है कि विपक्षी द्वारा उक्त जप्तशुदा डिजल को क्रय-विक्रय किये जाने के लिये अवैद्य भण्डारण किया गया है। विपक्षी का यह कृत्य मोटर स्पीड एवं हाई स्पीड डिजल (रेग्यूलेशन आफ सप्लाय, डिस्ट्रीब्यूशन एण्ड प्रिवेन्शन आफ मेल प्रेक्टीस) आदेश 2005 के नियम 3 (4, 5) नियम 4 का स्पष्ट उल्लंघन है। उक्त स्थिति में प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र स्वीकार कर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 6 ए के तहत जप्तशुदा 2000 लीटर डिजल व तत्संबंधी सामग्री को राजसात किया जाना उचित है।

अतः उपर्युक्त विवेचना के आधार पर बरोठी स्थित श्री हकरा पिता खातरा के मालिकाना हक स्थल से कुल 2000 लीटर पेट्रोलियम पदार्थ डिजल(मय 10 इंच), 9 जरिकेन (प्लास्टिक 20 लीटर क्षमता) मापक 2 (5 लीटर), कीप 3, प्लास्टिक पाईप एवं 1 गेज को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 6 ए के तहत राजसात/जप्त सरकार करते हुए पुलिस थाना बिछीवाडा की अभिरक्षा में रखा गया। डिजल व तत्संबंधी सामग्री प्राप्त कर डिजल के अधिकृत विक्रेता के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा निर्धारित अधिकतम दर पर वितरण कराकर उससे प्राप्त राशि जिला रसद कार्यालय डूंगरपुर में अमानत के तौर पर सक्षम न्यायालय के निर्णय तक जमा रखने का आदेश दिया जाता है। जिला रसद अधिकारी डूंगरपुर उक्त डिजल व तत्संबंधी जप्तशुदा सामग्री का उपरोक्तानुसार निस्तारण करावें। पालना हेतु निर्णय की प्रति जिला रसद अधिकारी डूंगरपुर भेजी जावें।

निर्णय आज दिनांक 29.11.2017 को खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली फौसल में शुमार होकर नम्बर से कम की जावें।




(राजेन्द्र भट्ट)
जिला कलेक्टर
दुर्गपुर